Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Remington Gail 14th December 2019 Shift 1 T3
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2019-12-14 13:27:43
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	No
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	2549891954
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	2549892598
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	2549892611
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 25498928761 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

एक बार की बात है, अकबर और बीरबल शिकार पर जा रहे थे। अभी कुछ समय हुआ था कि उन्हें एक हिरण दिखा। जल्दबाजी में तीर निकलते हुए अकबर अपने हाथ पर घाव लगा बैठा। अब हालात कुछ ऐसे थे कि अकबर बहुत दर्द में था और गुस्से में भी।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	2549891955
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	2549892599
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	2549892612
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 25498928762 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

आक्रमण उतना हानिकारक नहीं जितना उसका आतंक। हिंसा उतनी विघातक नहीं होता, जितनी भय ग्रस्तता। यदि साहस का सम्बल साथ लेकर चला जाय तो वह जटिल सिथति भी सामान्य जैसी बन जाती है, जिसकी कि चर्चा सुनते ही डरपोक मनुष्यों के रोंगटे खडे हो जाते हैं। आदिवासी, वनवासी घने जंगलों में एक-एक झोंपडी अलग-अलग बना कर रहते हैं। उन जंगलों में हिस्त्र व्यार्घ भरे पडे होते हैं। किन्तु इन वनवासियों पर उनका कोई आतंक नहीं होता। रात को गहरी नींद सोते हैं। दिन में आहार की तालाश के लिए उन्हीं झाडियों में ढूंढते रहते हैं, जिनमें किये हिंस्त्र पशुशयन करते हैं। जबकि उनके परिवार में मुद्दतो वाद ऐसी घटनाएं घटित होती हैं, जिनमें किसी सिंह, व्याघ्र ने आदिवासी की जान ली हो। अफ्रीका के रायल नेशनल पार्क, नेशनल पार्क, लकमनआराने पार्क, क्रीन एलजावेथ नेशनल पार्क जैसे सुविस्तृत वन विहार बनाये गये है। जिन्हें देखने के लिए दुनिया भर के लोग जाते हैं। इनमें वन्य पशु स्वच्छन्दता और सुविधापूर्वक घूमने और अपना प्राकृतिक जीवन जीते हैं। इनमें सिंहो की संख्या भी काफी है। वे स्वच्छन्द घूमते हैं, साथ ही जहां वे रहते हैं, वहीं जेबरा, जिराफ, हिरन आदि भी निर्भयतापूर्वक विचरण करते हैं। वे सिंहों को देखकर सतर्क तो हो जाते हैं पर न तो भागते हैं और न चरना छोडते हैं। मिल जुलकर आक्रमण का मुकाबला करते हैं और कोई चपेट में आ॰ा भी जाय तो मौत और जिन्दगी के मिले-जुले क्रम के बीच निर्भयतापूर्वक रहते हुए उन्हें कोई सकोच नहीं होता। अफ्रीका मसार्क जाति के वनवासी प्राय उन्हीं क्षेत्रों में रहते है, जिनमें सिहों का बाहुल्य है। न केवल वे स्वयं रहते हैं वरन् अपने पालतू पशुओं को भी रखते हैं। भूखे और भरे पेट सिंहों की स्थिति को वे भली प्रकार जानते हैं और तदनुसार अपनी सुरक्षात्मक व्वस्था को भी ठीक कर लेते हैं। मौत और जिन्दगी ने जिस तरह आपस में समझौता किया हुआ है। उसी तरह वनवासी और हिंस्त्र पशु भी अपने ढरे से अपना समय गुजारते हैं। भय और आतंक को वेताक पर उठाकर रख देते हैं। सरकस साहसी प्रशिक्षक, किस प्रकार जानवरों को घाते और उनसे तरह-तरह के खेल कराते हैं यह सभी को विदित हैं। हिंस्त्र पशुओं को पालने और उन्हें सामान्य पशुओं की तरह रहने के लिए अभ्यस्त करने में अधिक सफलता मिलती जा रही है। ऐसे एक नहीं अनेक प्रयास सामने आते रहते हैं, जिनसे सिद्ध होता है कि हिंसात्मक प्रकृति को बदलकर उसे सौम्य स्तर का बनाया जा सकता है। अहमदाबाद के प्राणी संग्रहालय की अफसर ज्योति वेन मेहता ने व्यक्तिगत रूप से आक्रमणकारी पशुओं में दिलचस्पी ली है और उन्हें अधिक मृदुल, वफादार एवं सहयोगी बनाने में सफलता प्राप्त की है। उनका कहना है, आत्म-विश्वास, निर्भयता, प्रेम एवं सहानुभूति की समुचित मात्रा यदि अपने पास हो तो हिंस्त्र जन्तुओं को आसानी से मृदुल एवं वफादार बनाया जा सकता है। हमें देर-सबेर में इस निष्कर्ष पर पहुचना ही होगा कि अनगढक्रूरता को सदाशयतापूर्ण सत्प्रयत्नों से बदला और सुधारा जा सकता है। इसमें कितना श्रम और समय लगेगा, कितने साहस और धैर्य का परिचय देना पडेगा, यह बात दूसरी हैं।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes